"संविदा शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि एवं समस्याओं का अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

की

एम.एड (प्राथमिक शिक्षा) उपाधि

की

आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

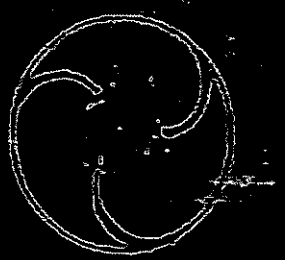

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

(2010-11)

मार्गदर्शक
डॉ. एस.के.गुप्ता
एसोसिएट प्रोफेसर
(शिक्षा विभाग)

शोधकर्ता
कु. अभिलाषा खरे
एम.एड. (आर.आई.ई)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामलाहिल्स, भोपाल (म.प्र.)

2010:2011

"संविदा शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि एवं समस्याओं का अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड (प्राथमिक शिक्षा) उपाधि
की
आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत
लघुशोध प्रबंध

D- 326

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

(2010-11)

मार्गदर्शक
डॉ. एस.के.गुप्ता
एसोसिएट प्रोफेसर
(शिक्षा विभाग)

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

शोधकर्ता
कु. अभिलाषा खरे
एम.एड. (आर.आई.ई)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामलाहिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा पत्र

मैं, कु. अभिलाषा खरे छात्रा एम.एड यह घोषणा करती हूँ कि "संविदा शिक्षकों की व्यावसायिक स्थिति एवं समस्याओं का अध्ययन" नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध (2010-11) में डॉ. एस.के.गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया हैं।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, को एम.एड (2010-11) की उपाद्यि आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिये गए आंकड़े एवं सूचनाएं विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गए है। तथा यह प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

स्थान :- भोपाल

दिनांक :- 25-04-11

शोधकर्ता

Abhilasha

कु. अभिलाषा खरे
एम.एड (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
एन.सी.ई.आर.टी,
भोपाल म.प्र.

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु. **अभिलाषा खरे** ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान , भोपाल (म.प्र.) में एम.एड.उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **"संविदा शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि एवं समस्याओं का अध्ययन"** मेरे निर्देशन में विधिवत् पूर्ण किया है। यह शोधकार्य इनके परिश्रम लगन व निष्ठा से किया गया मौलिक प्रयास है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) की सन् 2010–2011 को शिक्षा में स्नाकोत्तर उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान :– भोपाल

दिनांक :– 26/5.....

मार्गदर्शक

डॉ. शिव कुमार गुप्ता
एसोसिएट प्रोफेसर
(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध संबंधी कार्य के निर्देशन का संपूर्ण श्रेय मेरे [illegible] प्रोफसेर मार्गदर्शक श्रद्धेय आदरणीय डॉ. [illegible] क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को देती हूँ जिन्होने समय समय पर उचित निर्देशन प्रोत्साहन आर्शीवाद देकर इस शोधकार्य को संम्पन्न करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. के.बी. सुब्रमण्यम् क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होने अनुकूल वातावरण व सुविधाएं प्रदान कर मेरा कार्य सुगम बनाया।

मैं आदरणीय डॉ. बी. रमेश बाबू शिक्षा विभाग अध्यक्ष, डॉ. लक्ष्मी नारायण, संजय कुमार पडांगले, डॉ. सुनिति खरे हृदय से कृतज्ञ हूँ जिन्होने योग मार्ग दर्शन अनुकूल वातावरण एवं सुविधाएं दी तथा समय समय पर सेमीनार मैं उचित मार्गदर्शन देकर शोधकार्य प्रशस्त किया।

मैं पुस्ताकालय अध्यक्ष पी.के.त्रिपाठी एवं समस्त पुस्तकालय के कर्मचारियों के शैक्षिक सहयोग के लिए भी आभारी हूँ। मैं सभी विद्यालय के मुख्य अध्यापक एवं शिक्षक की हृदय से आभारी हूँ जिन्होने प्रदत्तों के संकलन में सहयोग दिया।

मैं प्रथम वंदनीय परमआदारणीय माता-पिता परिवार के सभी स्नेह सदस्य एवं सहयोगी मित्र की हृदय से आभारी हूँ जिन्होने शोधकार्य करने में आर्थिक स्त्रोत, प्रोत्साहन, सहयोग एवं ममतामयी प्रेरणा का कार्य किया है।

अंत में मैं अपने सभी स्नेहहित मित्रों एवं सहपाठियों को धन्यवाद देती हूँ जिनके प्रत्यक्ष एवं परोक्ष सहयोग से यह लघुशोध कार्य संम्पन्न हो सका।

शोधकर्ता

कु. अभिलाषा खरे

एम.एड

अनुक्रमिका

मुख्य पृष्ठ		पृष्ठ क्रमांक
घोषणा पत्र		I
प्रमाण पत्र		II
आभार ज्ञापन		III+IV

अध्याय प्रथम :– शोध परिचय

1.1	प्रस्तावना	1
1.2	मध्यप्रदेश में प्रारंभ की गई परियोजनाऐं	6
1.3	वैकल्पित परियोजनाओं के अन्तर्गत कार्यरत् शिक्षकों की समस्यायें।	9
1.4	लघु शोध की आवश्यकता एवं महत्व	11
1.5	समस्या कथन	12
1.6	शोध में प्रयुक्त शब्दावली की परिभाषा	12
1.7	शोध उद्देश्य	14
1.8	शोध के चर	14
1.9	शोध प्रश्न	15
1.10	शोध परिकल्पनाऐं	16
1.11	शोध की परिसीमाऐं	17

अध्याय–द्वितीय :– सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन

2.1	भूमिका	18
2.2	सम्बन्धित साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	18
2.3	पूर्वशोध आकलन	19

अध्याय–तृतीय :– शोध प्रविधि

3.1 प्रस्तावना 28

3.2 प्रतिदर्श तथा प्रतिदर्श का चयन 29

3.3 प्रतिदर्श का विवरण 29

3.4 उपकरण 32

3.5 प्रदत्तों के संकलन की प्रक्रिया 33

3.6 मूल्यांकन 35

3.7 सांख्यिकी का प्रयोग 35

अध्याय – चतुर्थ :–प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना 36

4.2 लिंग के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 37

4.3 वर्ग के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 41

4.4 स्थान के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 45

4.5 वैवाहिक स्थिति के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 49

4.6 शैक्षिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 52

4.7 व्यावसायिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण 57

अध्याय – पंचम :– शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1	भूमिका	62
5.2	समस्या कथन	63
5.3	शोध के उद्देश्य	63
5.4	शोध के चर	63
5.5	शोध प्रश्न	64
5.6	परिकल्पनाऐं	65
5.7	प्रतिदर्श	65
5.8	उपकरण	65
5.9	सांख्यिकी	66
5.10	परिणाम	66
5.11	सुझाव	68

संदर्भ ग्रन्थ सूची

परिशिष्ट V

सारणी अनुक्रमणिका

सारणी क्र.	विवरण	पृष्ठ क्र.
1.1	संविदाशाला शिक्षक की पात्रता शर्तो का विवरण	7
1.2	वेतनमान का विवरण	10
3.3.1	प्रतिदर्श के लिए शासकीय विद्यालयों तथा शिक्षकों के विवरण की सारणी	29
3.3.2	निवाड़ी तहसील के शासकीय विद्यालयों तथा शिक्षकों की सारणी	30
3.3.3	पृथ्वीपुर तहसील के शासकीय विद्यालयों तथा शिक्षकों की सारणी	30
3.3.4	ओरछा तहसील के शासकी विद्यालयों तथा शिक्षकों की सारणी	31
3.3.5	जतारा तहसील के शासकीय विद्यालयों तथा शिक्षकों की सारणी	31
4.1	लिंग के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि की सारणी	37
4.2	वर्ग के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि की सारणी	41
4.3	स्थान के आधार पर व्यवसाय करकों में संतुष्टि की सारणी	45
4.4	वैवाहिक स्थिति के आधार पर वयवसाय कारकों में संतुष्टि की सारणी	49
4.5	शैक्षिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि की सारणी	52
4.6	व्यावसायिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि की सारणी	57